पाठ्यक्रम 2016 –17
कक्षा– सप्तम
विषय– धर्म शिक्षा
प्रथम सत्र

पाठ 1	ईश स्तुति सत्ता तुम्हारी भगवन्
पाठ 2	धर्म के लक्षण
पाठ 3	आर्य समाज के नियम 3– 6
पाठ 4	अभियान गीत
पाठ 5	व्यायाम
पाठ 6	प्रातः उठने के लाभ
पाठ 7	उद्‌बोधन गीत
पाठ 8	सत्संग का महत्व
पाठ 9	योग और उसके अंग
पाठ 10	ईश विनय

द्वितीय सत्र

पाठ 11	स्वामी श्रद्धानन्द
पाठ 12	महात्मा हंसराज
पाठ 13	स्वामी दर्शनानन्द
पाठ 14	आर्य पथिक पं लेखराम
पाठ 15	उद्‌घोष
पाठ 16	मेरा देश
पाठ 17	रोगी कौन नहीं ?
पाठ 18	अन्ध विश्वास का फल
पाठ 19	अटल प्रीति
पाठ 20	हमारे पर्व

डी0 ए0 वी0 सै0 पब्लिक स्कूल पश्चिम एन्क्लेव नई दिल्ली
पाठ्यक्रम 2016 –17
कक्षा– सप्तम
विषय– धर्म शिक्षा

मासः+पाठ	विषयः	उद्देश्यम्
अप्रैल –20 **मई–16** **पाठ 1,2,3,4** **ईश स्तुति ,** **धर्म के लक्षण ,** **आर्य समाज के नियम ,** **अभियान गीत**	छात्रों में ईश्वर भक्ति की भावना को ओतप्रोत कर, उससे होने वाले लाभों के बारे में बताना ,धर्म के प्रति आदर भाव, आर्य समाज के सिद्धान्तों से अवगत कराना तथा पाठों में आये शब्दों के उच्चारण आदि को शुद्ध कराना ।	1 ईश्वर के प्रति श्रद्धावान् बनें । 2 धार्मिक बनें तथा क्रियात्मक रुप से धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लें । 3 आर्य सिद्धान्तों को जीवन में उतारें ।
जुलाई – 21 **पाठ 5,6,7** **व्यायाम,** **प्रातः उठने के लाभ ,** **उद्बोधन गीत**	व्यायाम क्यों आवश्यक है शरीर को स्वस्थ रखने के प्रति सचेत करना तथा रोगों से मुक्त होने सम्बन्धी बातों की जानकारी देना, प्रातः उठने तथा सायं उचित समय पर शयन करने की प्रेरणा देना । अपने जीवन में अच्छे कर्म करने की प्रेरणा देना	1 बच्चे व्यायामक रने की प्रवृतित जागृत करें । 2 प्रातः उठने की प्रवृति बनायें । 3 अच्छे कर्मों की ओर बढें ।
अगस्त –22 **पाठ 8,9,10** **सत्संग का प्रभाव ,** **योग और उसके अंग,** **ईश विनय**	सत्संग के लाभों व कुसंग की हानियों की चर्चा ,योग द्वारा अहिंसा ,सत्य शौच ,सन्तोष आदि नियमों को अपने जीवन में कैसे धारण करें इसे स्पष्ट करना । ईश्वर भक्ति को जीवन में प्रमुखता दें ।	1 सज्जनों की संगति में रहें । 2 योग के अंगो को जीवन में धारण करें 3 ईश्वर की ओर उन्मुख हों ।

द्वितीय सत्र

अक्तूबर – 17 **पाठ 11,12** **स्वामी श्रद्धानन्द,** **महात्मा हंसराज**	स्वामी श्रद्धानन्द तथा महात्मा हंसराज जी के व्यक्तित्व ,कियाकलाप ,समाज सेवा ,तथा उनके चुनौती पूर्ण जीवन के विषय में छात्रों को बताना तथा दैवी आपदा में उनके द्वारा की गई मनुष्य सेवाओं की चर्चा ।	1 महापुरुषों के जीवन से अच्छी शिक्षा लें 2 कठिन परिस्थितियों में भी धैर्यशाली बनें । 3 कर्तव्य शील बनें ।
नबम्बर –21 **पाठ 13 ,14 ,15** **स्वामी दर्शनानन्द,** **आर्यपथिक पं लेखराम,** **उद्घोष**	स्वामी दर्शनानन्द जी तथा पं लेखराम जी के द्वारा किये गये शास्त्रार्थों की चर्चा एवं प्राणों की परवाह न करते हुए अपने वैदिकधर्मी भाईयों की रक्षा की धर्मपथ पर चलते हुए दयानन्द के सैनिक बने ।ऐसी जानकारी छात्रों को देना ।	1 वैदिक धर्म को सर्वोपरि मानें । 2 लालच में धर्म परिवर्तन न करें । 3 महापुरुषों से प्रेरणाप्रद शिक्षा लें ।
दिसम्बर –22 **पाठ 16,17,18** **मेरा देश,** **रोगी कौन नहीं,** **अन्धविश्वास का फल,**	भारतवर्ष की प्राचीन परम्पराओं से अवगत कराना। अपने जीवन को किस प्रकार रोगों से बचायें ,कैसा भोजन करें ,किस प्रकार का रहन सहन बनायें आदि बातों को बताना तथा अन्धविश्वास से क्या हानि होती है ऐसी जानकारी देना ।	1 अपने देश को सर्वोपरि मानें । 2 अपने देश की निर्मित वस्तुओं का ही प्रयोग करना सीखें । 3 रहन सहन ,खानपान में सतर्कता बरतें 4 अन्धविश्वास में न फंसे ।
जनवरी –7 **पाठ 19 ,20** **अटल प्रीति ,** **हमारे पर्व**	बच्चों को अनेकों प्रकार के उदाहरणों से भक्त भगवान की प्रीति को बताना । भारत वर्ष तथा अन्य मतावलम्बियों के मनाये जाने वाले पर्वों के विषय में जानकारी देना ।	1 ईश्वर भक्ति को दृढ बनायें । 2 धार्मिक ,सामाजिक मान्यताओं की जानकारी प्राप्त करें ।